प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
17.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

मौसम

प्रदेश के कई भागों में मॉनसून की वर्षा का क्रम जारी है। मंडी जिला में आज सुबह भारी बारिश हुई। टकोली तथा नगवाईं क्षेत्रों में बादल फटने का समाचार है। जिला के टकोली मार्केट यार्ड में मलबा आने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुल्लू जिला में भी कल रात भारी बारिश हुई। कुल्लू के दोहरा नाला में बादल फटने से मौहल खड्ड में बाढ़ आई गई जिले में कुल्लू–भूंतर सड़क मार्ग बंद है। जिला प्रशासन ने लोगों से नदी नालों से दूर रहने की अपील की है। इधर शिमला ग्रामीण क्षेत्र की बल्देयां–खटनोल सड़क पर भू–स्खलन से सड़क मार्ग चार दिनों से अवरूद्ध है। जिससे लगभग आधा दर्जन पंचायतों का संपर्क अन्य भागों से कटा हुआ है। क्षेत्र में बागवानों व किसानों को अपनी फसलों को मंडी तक पहुंचाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में भू–स्खलन से दो राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 3 सौ 13 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। प्रदेश में वर्षा से जुड़ी घटनाओं में अब तक 2 सौ 61 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 37 लोग लापता हैं। मौसम विभाग ने 19 अगस्त तक राज्य के अनेक भागों में वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है।

.....

आपदा नुकसान

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारी बारिश से राज्य को अब तक 2 हजार 100 करोड़ रुपये से अधिक का नुक़सान हो चुका है। सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण और जल शक्ति विभाग को हुआ है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं ग्लोबल वार्मिंग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस बारे में केंद्र सरकार को भी अवगत करवाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने संसाधनों से पहले भी आपदा प्रभावितों तक मदद पहुंचाई है विशेष तौर पर जिला मंडी के लिए 100 करोड़ रुपये का पैकेज जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से प्रदेश को आर्थिक मदद का आग्रह किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री जी को जो मैंने आज से कोई एक महीना पहले जब उनसे मिला था मैंने उनसे कहा कि यह क्लाउडबर्स्टिंग हो रही है ग्लोबल वार्मिंग का असर है आप देखने की थोड़े समय बाद उत्तराखंड में भी होगा हमारे लिए रीजन में होता होगा मैं मुझे नहीं पता था उसके बाद उत्तराखंड में हुआ और पिछले दिनों किश्तवाड़ में हुआ तो मैं धन्यवाद भी करना चाहूंगा कि उन्होंने एक टीम साइंटिस्ट की भेजी जिसमें आईआईटी रुड़की के लोग थे एनवायरनमेंट लिस्ट द साइंटिस्ट थे इन सबको भेज कर उन्होंने एक स्टडी किया है और खुशी इस बात की इस दिशा में उन्होंने सूचना शुरू मेरे सामने ही इन्होंने अपने हॉम सेक्टेरी को फोन किया यह एक अच्छी बात है ।

उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हम संघीय ढांचे में रहते हैं। आपदा की इस घड़ी में केंद्र सरकार को हिमाचल प्रदेश सरकार की मदद करनी चाहिए।

प्रदेश को हो रहा है पिछले साल बहुत नुकसान हुआ 10 12000 करोड रुपए का नुकसान हुआ उसके मुकाबले में हमें मदद नहीं केंद्र से मिल पाई और इस साल फिर नुकसान हुआ है खास तौर पर डिपार्टमेंट का बहुत बड़ा लॉस हो रहा है इसकी में बह गई है और उनको बहाल करने के लिए बहुत बड़ी राशि की जरूरत है हमने केंद्र से भी कहा है कि आप मदद करें

.....

विधानसभा सत्र

प्रदेश विधानसभा का मॉनसून सत्र कल 18 अगस्त से शुरू होगा जो 2 सितंबर तक चलेगा। यह 14वीं विधानसभा का नौवां सत्र होगा, जिसमें कुल 12 बैठकें होंगी। यह अब तक का चौथा सबसे बड़ा मॉनसून सत्र होगा। इससे पहले वर्ष 1962 में प्रथम विधानसभा का मानसून सत्र 13 बैठकों का, वर्ष 1968 में द्वितीय विधानसभा का 15 बैठकों का और वर्ष 2009 में 11वीं विधानसभा का 17 बैठकों का सत्र आयोजित हुआ था। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि 14वीं विधानसभा में अब तक 8 सत्रों में कुल 73 बैठकें हो चुकी हैं और इस सत्र के दौरान 85 बैठकें पूरी हो जाएंगी। अब तक सदस्यों से 830 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं,

---

निर्वाचन आयोग – मतदाता सूची

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मतदाता–सूची पूरी पारदर्शिता और कानून–कायदों का पालन कर तैयार की जाती है। आयोग ने कहा कि मतदाता–सूची तैयार करते समय हर चरण में राजनीतिक दलों को शामिल किया गया था। आयोग ने पिछले चुनावों की मतदाता सूचियों में कथित कमियों का मुद्दा उठाए जाने की आलोचना की। आयोग ने कहा कि मतदाता–सूची से जुड़ा कोई भी मुद्दा दावा और आपत्ति अवधि के दौरान उठाया गया होता, तो उनकी जांच की जा सकती थी।